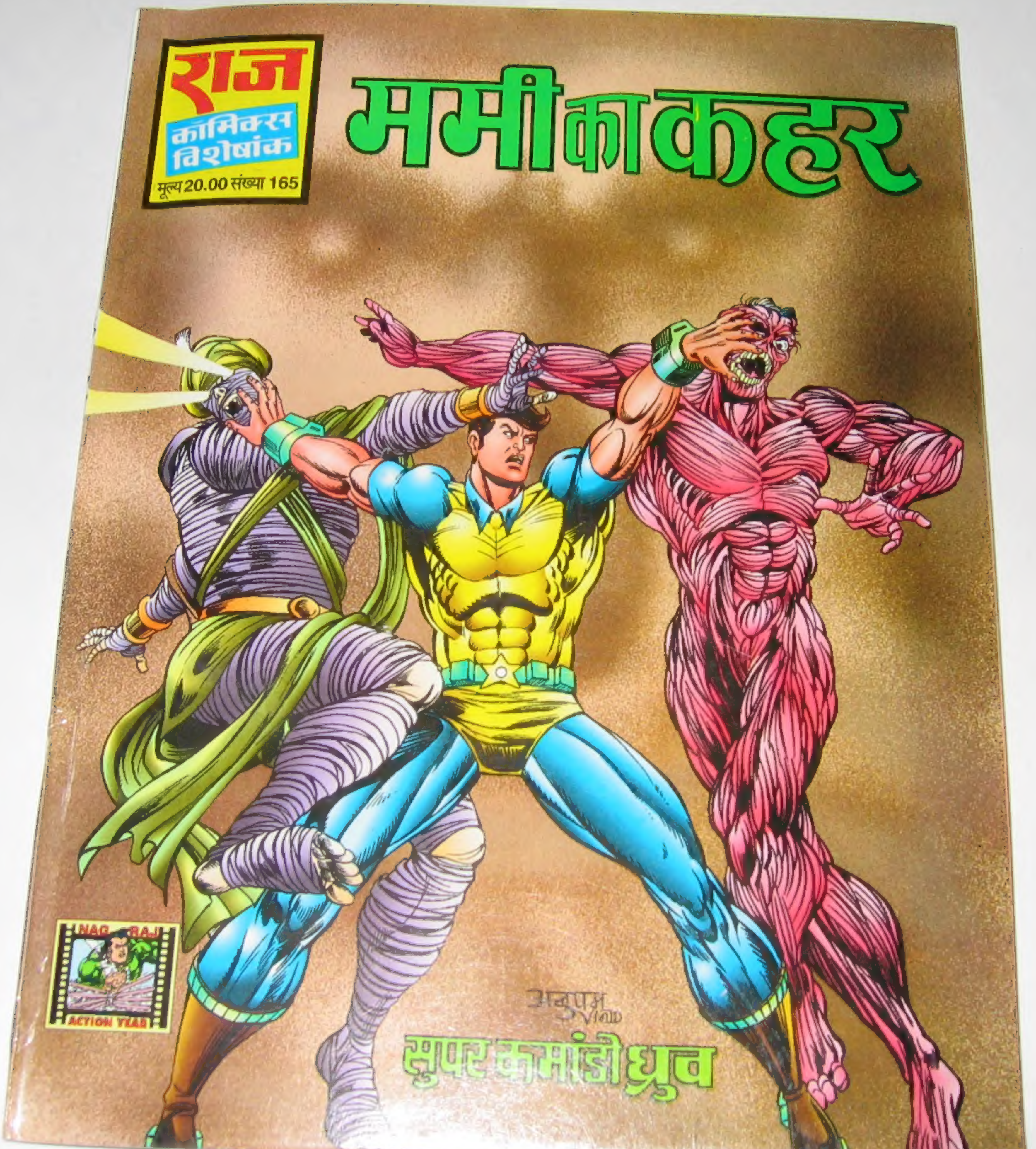
राज
कॉमिक्स विशेषांक
मूल्य 20.00 संख्या 165
ममी का कहर
NAG RAJ
ACTION YEAR
सुपर कमांडो ध्रुव

मेरी नागरस्सी अपराधियों के लिए फांसी का फंदा बन जाएगी। मेरी विष फुंकार आतंकवादियों को मौत की नींद सुला देगी। मैं विश्व से अपराध और आतंकवाद का खात्मा कर दूंगा।

कोई भी 100/- रुपए मूल्य या अधिक की कॉमिक आप हमसे डाक द्वारा घर बैठे मंगाएं। कृपया 100/-रुपए या अधिक का मनीआर्डर राजा पॉकेट बुक्स, 330/1, बुराड़ी, दिल्ली-84. के पते पर भेजें। और अपनी मनपसंद कॉमिकों के नाम मनीआर्डर फार्म के निचले हिस्से में अपने पूरे पते के साथ साफ-साफ लिखकर भेजें।

राजनगर के आकाश में ध्रुव तारे के समान चमकता सितारा। अपराधियों के लिए मैं दहकता सूरज बन जाऊंगा।

नागराज के उपलब्ध कॉमिक

- ♣ नागराज
- ♣ नागराज की कब्र
- ♣ नागराज का बदला
- ♣ नागराज की हांगकांग यात्रा
- ♣ नागराज और शांगो
- ♣ खूनी खोज
- ♣ खूनी यात्रा
- ♣ नागराज का इंसाफ
- ♣ खूनी जंग
- ♣ प्रलयंकारी नागराज
- ♣ खूनी कबीला
- ♣ कोबरा घाटी
- ♣ बच्चों के दुश्मन
- ♣ प्रलयंकारी मणि
- ♣ शंकर शंहशाह
- ♣ नागराज का दुश्मन
- ♣ इच्छाधारी नागराज
- ♣ नागराज और कालदूत
- ♣ नागराज और जादूगर शाकूरा
- ♣ नागराज और बौना शैतान
- ♣ नागराज और ताजमहल की चोरी
- ♣ नागराज और लाल मौत
- ♣ नागराज और काबुकी का खजाना
- ♣ नागराज और थोडांगा
- ♣ नागराज और तूफान-जू
- ♣ नागराज और जादू का शहंशाह
- ♣ नागराज और अजगर का तूफान
- ♣ बकोरा का जादू
- ♣ पिरामिडों की रानी
- ♣ नागराज और मिस्टर 420
- ♣ थोडांगा की मौत
- ♣ नागराज और बेमबेम बिगेलो
- ▲ नागराज और सुपर कमांडो ध्रुव
- ▲ नागराज और नगीना का जाल
- ▲ फिर आया नागदंत
- ▲ नागराज और नगीना
- ▲ नागराज और बुगाकू
- ▲ नागराज और मिस किलर
- ▲ विजेता नागराज
- ▲ विसर्पी की शादी
- ▲ शाकूरा का चक्रव्यूह
- ▲ नागराज का अंत
- ▲ जहर
- ▲ नागपाशा
- ▲ खजाना
- ▲ क्राइमकिंग
- ▲ विषकन्या
- ▲ स्नेक पार्क
- ▲ इच्छाधारी
- ▲ केंचुली
- ▲ जहरीले
- ▲ बांबी
- ▲ सपेरा
- ▲ फन
- ▲ नागिन
- ▲ विष-अमृत
- ▲ सम्मोहन
- ▲ राज का राज
- ▲ मृत्युदंड
- ▲ नागद्वीप
- ▲ त्रिफना
- ▲ महायुद्ध
- ▲ अग्रज
- ▲ नागराज का कहर
- ▲ तांडव
- ▲ आतंक
- ▲ दुश्मन नागराज
- ▲ शक्तिहीन नागराज
- ▲ नहीं बचेगा नागराज
- ▲ कालचक्र
- ▲ कुंडली
- ▲ ऐलान-ए-जंग
- ▲ काली मौत
- ▲ नागराज अमेरिका में
- ▲ आतंकवादी नागराज
- ▲ विषहीन नागराज
- ▲ इच्छाधारी चोर
- ▲ लावा
- ▲ विनाशलीला
- ▲ पागल नागराज
- ▲ मसीहा
- ▲ सो जा नागराज
- ● राजनगर की तबाही
- ● प्रलय
- ● विनाश
- ● तानाशाह
- ● सूरमा
- ● कलियुग
- ● कयामत
- ● संग्राम
- ● संहार
- ● नागराज और ड्रैकुला
- ● रक्षक नागराज
- ✪ शेषनाग
- ✪ भानूमति का पिटारा
- ✤ सौडांगी
- ✤ कोहराम
- ✤ जलजला
- ✤ विध्वंस
- ✤ परकाले
- ✤ ड्रैकुला का अंत
- ✤ कोलाहल
- ✤ खलनायक
- ✤ सम्राट
- ✤ सर्व शक्तिमान
- ✤ चक्र
- ✤ मैड्यूसा
- ✤ छोटा नागराज

सुपर कमाण्डो ध्रुव के उपलब्ध कॉमिक

- ♣ प्रतिशोध की ज्वाला
- ♣ रोमन हत्यारा
- ♣ आदमखोरों का स्वर्ग
- ♣ स्वर्ग की तबाही
- ♣ मौत का ओलम्पिक
- ♣ समुद्र का शैतान
- ♣ बर्फ की चिता
- ♣ रूहों का शिकंजा
- ♣ लहू के प्यासे
- ♣ महामानव
- ♣ वूडू
- ♣ मुझे मौत चाहिए
- ♣ बहरी मौत
- ♣ उड़नतश्तरी के बंधक
- ♣ एक दिन की मौत
- ♣ विनाश के वृक्ष
- ♣ चैम्पियन किलर
- ♣ आखिरी दांव
- ♣ वीडियो विलेन
- ♣ पागल कातिलों की टोली
- ♣ ब्लैक कैट
- ♣ रोबो का प्रतिशोध
- ♣ दलदल
- ♣ उड़ती मौत
- ♣ चण्डकाल की वापसी
- ▲ ग्रेण्ड मास्टर रोबो
- ▲ आवाज की तबाही
- ▲ खूनी खिलौने
- ▲ किरीगी का कहर
- ▲ चुम्बा का चक्रव्यूह
- ▲ डॉक्टर वायरस
- ▲ सामरी की ज्वाला
- ▲ आत्मा के चोर
- ▲ वैम्पायर
- ▲ सुप्रीमा
- ▲ मैंने मारा ध्रुव को
- ▲ हत्यारा कौन
- ▲ सर्कस
- ▲ हत्यारी राशियां
- ▲ मौत के चेहरे
- ▲ कमांडर नताशा
- ▲ सजाए मौत
- ▲ अंधी मौत
- ▲ षड्यंत्र
- ▲ महाकाल
- ▲ खूनी खानदान
- ▲ अतीत
- ▲ जिग्सा
- ▲ ध्रुव-शक्ति
- ▲ जंग
- ▲ दुश्मन
- ▲ क्विज मास्टर
- ▲ ममी का कहर
- ▲ कमांडो फोर्स
- ▲ बौना वामन
- ▲ कालध्वनि
- ▲ शह और मात
- ▲ आया चुम्बा
- ▲ चुम्बा सम्राट
- ▲ ध्रुव हत्यारा है
- ▲ शहंशाह
- ▲ शीतान
- ▲ ध्रुव खत्म
- ▲ अंत
- ▲ दूसरा ध्रुव
- ▲ डिजिटल
- ▲ मास्टर ब्लास्टर
- ▲ रोबॉट
- ▲ सुपर कमांडो ध्रुव
- ▲ सुपर हीरो
- ▲ चेलेंज
- ▲ मैं समय हूं
- ▲ भूचाल
- ▲ मैच
- ● ड्रैकुला का हमला
- ● निशाचर
- ✤ सम्राट
- ▲ फरिश्ता
- ▲ रॉबिन हुड

■ इस निशान वाली कॉमिक का मूल्य: 10/-
♣ इस निशान वाली कॉमिक का मूल्य: 15/-
▲ इस निशान वाली कॉमिक का मूल्य: 20/-
✪ इस निशान वाली कॉमिक का मूल्य: 30/-
✤ इस निशान वाली कॉमिक का मूल्य: 40/-

सुपर इंडियन के उपलब्ध कॉमिक

- ✤ सुपर इंडियन
- ✤ सुपर इंडियन कौन
- ✤ विलेन चाचा
- ▲ पहला खून
- ▲ दूसरा खून

कोई भी 100/- रुपए मूल्य या अधिक की कॉमिक आप हमसे डाक द्वारा घर बैठे मंगाएं। कृपया 100/-रुपए या अधिक का मनीऑर्डर या ड्राफ्ट जो राजा पॉकेट बुक्स के नाम व Payable at Dehli हो बनवाकर राजा पॉकेट बुक्स 330/1, बुराड़ी, दिल्ली-84 के पते पर भेजें और अपनी मनपसंद कॉमिकों के नाम मनीआर्डर फार्म के निचले हिस्से में या ड्राफ्ट के साथ सलंग्न पत्र में अपने पूरे पते के साथ साफ-साफ लिखकर भेजें।

प्रकाशक: राज कॉमिक्स (राजा पॉकेट बुक्स की एक इकाई)
330/1 बुराड़ी, दिल्ली-110084 फ़ोन: 27611410
mail: bizdev@rajcomics.com

दिल्ली में वितरक :नागराज नावल्टीज, 112, फर्स्ट फ्लोर, दरीवा कलां, दिल्ली-110006. फ़ोन: 23251109, 23251092

इस दुनिया की कुछ जगहों का नाम, उनकी ऐसी कलाओं के कारण जाना जाता है, जिनको दुनिया ने सराहा। ऐसी ही एक कला है 'शव संरक्षण की कला' जिसने मिस्त्र देश और उसके पिरामिडों के नाम को प्रसिद्ध कर दिया। लेकिन समय बीतने के साथ-साथ यह स्पष्ट होता गया कि 'शव संरक्षण' यानी ममी बनाने की कला सिर्फ मिस्त्र तक ही सीमित नहीं थी! कुछ दिनों पहले मैक्सिको देश में भी ऐसी ममियों का पता चला है, जिनको एक खास मिट्टी में लपेटकर रखा गया था! और मिस्त्र की ममियों के विपरीत मैक्सिको की ममियों के आंतरिक अंगों को बाहर नहीं निकाला गया था! हमारे भारत की कुछ रियासतों के ऐतिहासिक दस्तावेजों में भी शवों को ममीकृत करने का जिक्र किया गया है। और ऐसी ही रियासतों में से एक रियासत है राजनगर की रियासत। जिस पर टूटने वाला है...

ममी का कहर

संजय गुप्ता की पेशकश

कथा:	चित्र:	इंकिंग:	सुलेख व रंग:	सम्पादक:
जॉली सिन्हा	अनुपम सिन्हा	विनोद	सुनील पाण्डेय	मनीष गुप्ता

राजनगर पर टूटा यह कहर इतिहास के पन्नों से उठकर आया था–
राजनगर रियासत का इतिहास हजारों वर्ष पुराना है ! यहां पर दोरीवंश के शासकों का शासन था ! यहां पर दोरीवंश के शासकों का शासन था ! याद हो गया !
हां, मुंह का रंग तो ठीक है ! लाल लिपस्टिक लगी हुई है !
ऐ भइया, तंग मत करो ! मुझे पढ़ने दो !
हुम ! ठीक है ! पर तेरी ड्रेस कुछ मैच नहीं कर रही ! और तुझे इतना पढ़-पढ़कर भूख भी तो लग गई होगी ! रुक मैं अभी आया !
ड्रेस मैच नहीं कर रही ! किससे मैच नहीं कर रही? और मुझे भूख-वूख नहीं लगी है ! तुमको लगी है तो मेरा दिमाग छोड़कर कुछ भी जाकर खा लो !
हां, ले श्वेता ! बड़ी मुश्किल से ढूंढकर लाया हूं !
पीछे ही पड़ गया ! कहा न कि तंग मत... अरे ! यह हरा टॉप क्यों ले आए? और प्लेट में क्या है !... हरी मिर्चें !
हां ! जिस तरह से तू रट्टा मार रही थी, मुझे लगा कि तुझमें तोते के गुण आ गए हैं ! अब आ गए हैं तो लगाना भी चाहिए न ! लाल चोंच... मेरा मतलब होंठ और हरे टॉप में तू जब हरी मिर्चें चबाएगी, तो एकदम टॉय-टॉय तोता लगेगी ! उसके बाद रट्टा तुझसे एकदम मैच करेगा !
फिर मैं तुम्हारे लिए उल्लू की ड्रेस ढूंढकर लाती हूं ! रात-रात भर जगकर शिकार पकड़ते रहते हो न?

ओऽऽऽ ! यानी तू उल्लू की बहन है !
अगर तू तोते का भाई है तो !
अच्छा, चल 'सीज फायर' कर लेते हैं ! वाक युद्ध विराम ! अब ये बता कि साइंस पढ़ते-पढ़ते तू एकाएक हिस्ट्री का रट्टा क्यों मारने लगी?
पापी पॉकेटमनी का सवाल है भइया ! पापा तो पॉकेटमनी बढ़ाते नहीं, इसलिए मैंने एक पार्ट-टाइम नौकरी ढूंढ ली है ! गाइड की जॉब !
तुझे गाइड की जॉब किसने दे दी? तू तो शायद अपने कॉलेज का नक्शा भी ठीक तरह से नहीं जानती होगी !
हा हा हा ! घर की मुर्गी दाल बराबर ! मुझे नौकरी अपनी काबलियत पर मिली है !... नॉलेज पर !
अच्छा मुर्गी ! पर तू मुर्गी से तोता बनकर इतनी मेहनत क्यों कर रही है?
क्योंकि कल अमेरिका से एक टूरिस्ट पार्टी राजनगर घूमने आ रही है ! उसे राजनगर के सारे ऐतिहासिक स्थलों पर घुमाना है ! अब बताने के लिए कुछ तो याद होना चाहिए न !
हां हां ! याद कर, याद कर ! कहीं गलती से राजनगर को ताजमहल न बोल जाए !
हा हा हा ! श्वेता जीनियस को भला क्या पूछना पड़ सकता है ! पर तुम्हारा दिल तोड़ने से बेहतर है कि मैं इसे रख लूं !
मेरा दिल टूटने से बचे या न बचे, पर इससे तेरा सिर टूटने से जरूर बच जाएगा ! गुड नाइट !
एक काम कर ! ये माइक्रो ट्रांसमीटर रख ले ! कुछ भूल जाए तो करीम से पूछ लेना ! मैं उससे कंप्यूटर पर राजनगर के इतिहास की सी.डी. लगाकर रखने को कह दूंगा !
गुड नाइट डियर ब्रदर !
और थैंक्यू ! इस ट्रांसमीटर की जरूरत तो मुझको हर दो मिनट बाद पड़ेगी !

★अर्थ: एक सैकेंड, मिस गाइड! क्या इस महल का कोई नाम भी है?

★विक्रम! तुम सचमुच इलेक्ट्रोनिक्स में माहिर हो। यह तुमने किया कैसे?

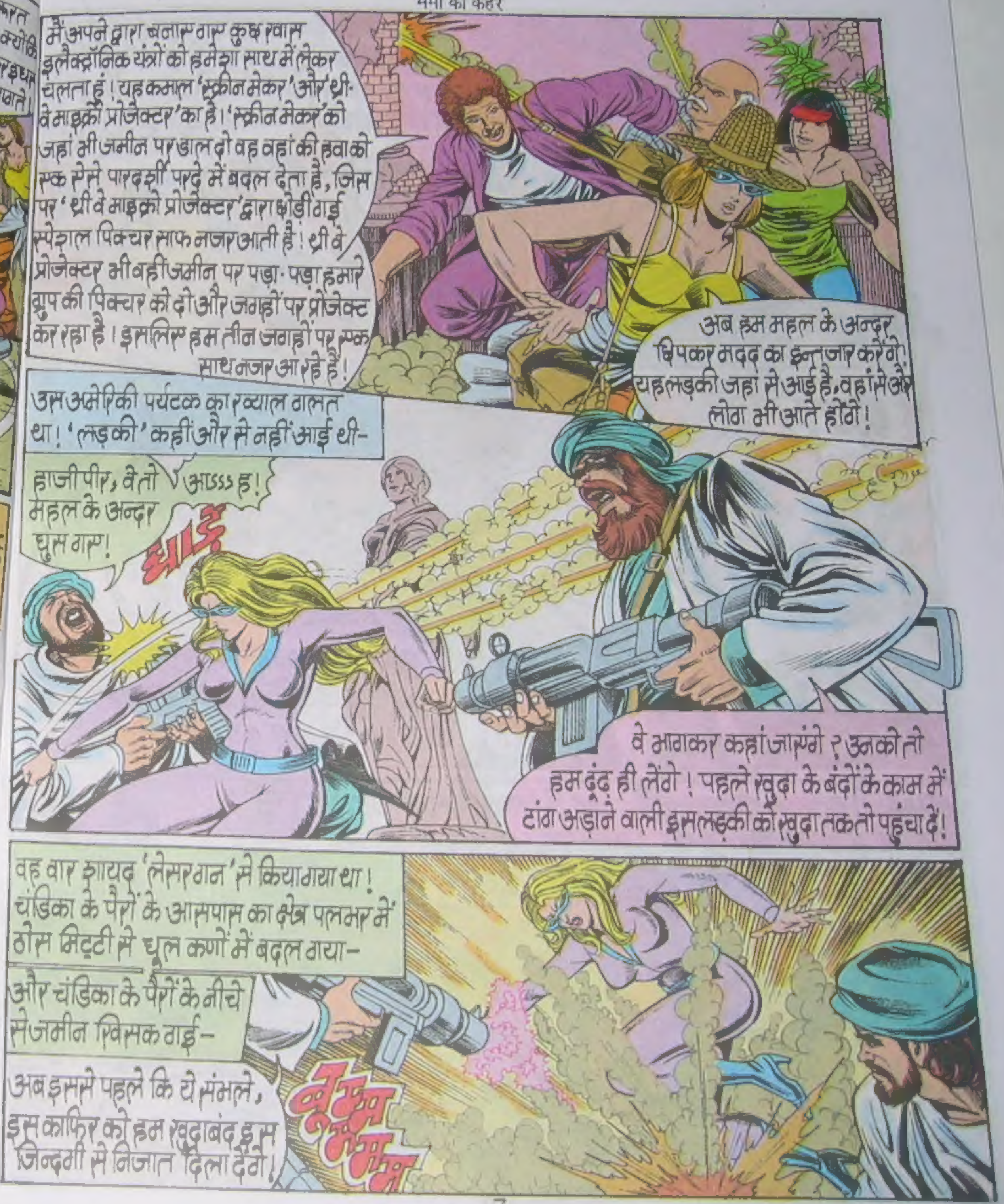

नाम खुदा का लेते हो!...
...और बंदगी शैतान की करते हो! जेहाद के नाम पर मासूमों का खून बहाकर अपने स्वार्थ को पूरा करते हो!
तड़ाक
शायद इसीलिए खुदा ने आज तक तुम्हारे मंसूबों को पूरा नहीं होने दिया! उनकी इच्छा से सुपर कमांडो ध्रुव जैसे लोग तुम्हारे इरादों पर पानी फेरते रहे हैं, और फेरते रहेंगे!
ध्रुव!
यहां पर तो भीड़ बढ़ती ही जा रही है। महल की तरफ भागो मुजाहिदीनों, और बंधकों को कब्जे में ले लो! उसके बाद कोई हमारा कुछ नहीं बिगाड़ पाएगा!
आऽऽऽह!
आऽऽऽह! ये खतरनाक हथियार इनके पास कहां से आए? और तुम यहां पर कैसे आ गई, चंडिका?
जब भी मिलते हो, एक ही घिसा-पिटा सवाल पूछते हो! कुछ तो चेंज करो, ध्रुव!

फिलहाल इन आतंकवादियों पर काबू पाने की सोचो! एक तो इनके पास न जाने कैसे-कैसे इलेक्ट्रॉनिक्स हथियार हैं, और दूसरे अगर ये महल में घुसकर इधर-उधर फैल गए तो इनसे पहले टूरिस्ट पार्टी तक पहुंचना मुश्किल हो जाएगा! क्योंकि यह महल बड़ा तो है ही, साथ ही साथ इसमें छिपने की हजारों जगहें भी हैं!
यू आर राइट, चंडिका! पर... तुम यहां तक पहुंची कैसे?
ओफ! इसकी तो सुई अटक गई है!
ध्रुव और चंडिका थोड़ा पिछड़ गए थे! क्योंकि उनके आतंकवादियों तक पहुंचने से पहले आतंकवादी अलग-अलग होकर महल में फैल गए थे-
ओ माई गॉड! मदद तो आई नहीं, पर एक टेररिस्ट जरूर इधर ही आ रहा है! अब हम क्या करें?
घबराओ मत! मैं कुछ करता हूं। रिलेक्स!
ये 'सोनिक डिवाइस' अल्ट्रासोनिक वेव्स फैलाकर इसके दिमाग को हिला डालेगा! और उसी बीच हम इस पर काबू पाकर इसके हथियार छीन लेंगे!
तुम सब अपने कान बन्द कर लो!
अल्ट्रासोनिक तरंगों ने उस आतंकवादी के दिमाग को हिलाने के साथ-साथ उसका हाथ भी हिला दिया! और गलती से दगी लेसर वार ने संयोगवश 'सोनिक डिवाइस' के परखच्चे उड़ा दिए-

और उस आतंकवादी को पर्यटकों के छिपने के ठिकाने का पता लग गया–
इयायायाऽऽऽ
ओह! लेसर ब्लास्ट!
हा हा हा! बाहर निकल आओ अमेरिकी चूहो, वर्ना इसी बिल में तुम्हारी कब्र बना दूंगा!
ट्यूं न्यूम
लेकिन तभी–लेसर किरण और निशाने के बीच में एक शीशा आ गया–
और पलभर के लिए पलटी लेसर किरण ने आतंकवादी को ही निशाना बना लिया–
रही-सही कसर शीशा गिराने वाले ने पूरी कर दी–
भला हो तुम्हारी चीखों का, जिसने मुझे सही जगह पर पहुंचा दिया, और इस शीशे का भी जो इतनी सदियों तक भी दीवार पर लटका रहने के बाद अब तक सही-सलामत था!
तड़ाक

पर तुम हो कौन? हम तो पुलिस का इंतजार कर रहे थे!
मुझे पुलिस का ही छोटा-मोटा रूप समझिए! मैं सुपर कमांडो ध्रुव हूं! पर... आप लोगों की गाइड कहां पर है?
श्वे... श्वेता! वह तो बाहर ही रह गई थी! पहला ब्लास्ट उसी के पास हुआ था! वह वहीं पर बेहोश होकर गिर गई थी!
श्वेता घायल है? पर वह तो मुझे बाहर कहीं नहीं दिखी!
ओह! श्वेता गायब, और चंडिका हाजिर! हर बार ऐसा ही होता रहा है! सिवाय एक बार के! लेकिन मुझे अभी भी कुछ और सबूतों की जरूरत पड़ेगी!
अरे, क्या सोचने लग गए? यहां से बाहर निकलने का रास्ता सोचो मिस्टर ध्रुव!
ओ, हां, हां! बाहर निकलने का रास्ता तो मैं ढूंढ ही लूंगा! पर दो आतंकवादी अभी महल में ही कहीं पर हैं! हमको बहुत धीरे-धीरे आगे बढ़ना होगा! क्योंकि आप चारों के साथ होने पर मैं उनसे मुकाबला नहीं कर सकता! आपकी सुरक्षा मेरी पहली चिन्ता है!
अगर ये पहले से ही पता चल जाए कि वे आतंकवादी महल में कहां पर हैं तो काम आसान हो जाएगा कि नहीं?
यह पता कैसे लगेगा?
इस 'बायोस्कैन' से! मेरा लेटेस्ट आविष्कार है यह! यह सौ मीटर के घेरे में मौजूद हर जिंदा वस्तु की 'रडार-इमेज' को अपनी स्क्रीन पर दिखा सकता है!

★ विक्रम! तुम वास्तव में इलैक्ट्रॉनिक्स के जादूगर हो।

...पहले तुझे नीचे गिरा दूं!
बहुत परेशान कर लिया तूने! अब तू किसी को परेशान नहीं कर पास्गी! क्योंकि तेरे बदन की हर हड्डी कई टुकड़ों में टूटने वाली है!
छत टूट गई-
और उसके बाद हाजीपीर के सिर पर कयामत टूट पड़ी-
गुड विक्रम! उस आतंकवादी की लेसर गन से फर्श में छेद करके नीचे पहुंचने का आइडिया वाकई में 'फटाफट आइडिया' था!
आऽऽऽह!
तुम सबकी मौत भी उतनी ही फटाफट होगी, लड़के!
लेकिन चंडिका की हड्डियां टूटने से पहले-

क्योंकि अब मैं इस 'इलैक्ट्रॉनिकगन' का 'शूटिंग मोड' बदल दूंगा! अब इसमें से वे लेसर किरणें नहीं निकलेंगी, जिनका निशाना साधना पड़ता है, बल्कि वे 'इलैक्ट्रॉन रेज' निकलेंगी, जो वातावरण में इधर-उधर फैल जाती हैं! और जिनके हमले से शिकार कभी बच नहीं पाता!
आऽऽऽह! ये 'इलैक्ट्रॉन रेज' हम पर 'करेंट' लगाने सा असर कर रही हैं! और हमारे साथ-साथ इन्होंने पर्यटकों को भी लपेटे में ले लिया है!... जल्दी ही कोई रास्ता सोचना होगा! वर्ना हम सब एक साथ मारे जाएंगे!

कोई रास्ता नहीं है ध्रुव! इन किरणों से तो किसी चीज की आड़ लेकर भी नहीं बचा जा सकता। ये तो बादलों में चमकती बिजली की तरह टेढ़ा-मेढ़ा रास्ता तय कर सकती हुई कहीं पर भी घूम सकती है!
उस बिजली को भी 'तड़ितचालक' यानी 'लाइटनिंग रॉड' की मदद से रास्ता दिखाया जा सकता है, चंडिका!... और इसी बात से मुझे एक आइडिया आ गया है!...
आऽऽऽह! तू मुझ पर डोरी फेंक रहा है! तू समझता है कि तू डोरी के सहारे मुझसे जुड़ जाएगा तो करंट का असर मुझ पर भी आ जाएगा! ठीक समझता है तू! असर आएगा तो जरूर, पर मामूली सा!...
...क्योंकि 'इलेक्ट्रान रेज' का ज्यादातर चार्ज तो तेरा ही बदन सोखे ले रहा है!
ऐसा है तो मैं अपने बदन को बीच से हटाकर...
... तुम्हारे चार्ज से तुम्हारा सीधा संपर्क करवा देता हूं! हॉटलाइन से!
स्टार लाइन का दूसरा छोर 'गन' के बैरेल में फंसते ही, हवा में फैल रही 'इलेक्ट्रॉन तरंगों को एक रास्ता मिल गया-
और वह रास्ता हाजीपीर के शरीर पर जाकर खत्म होता था-

कहानी 19 पेज से जारी

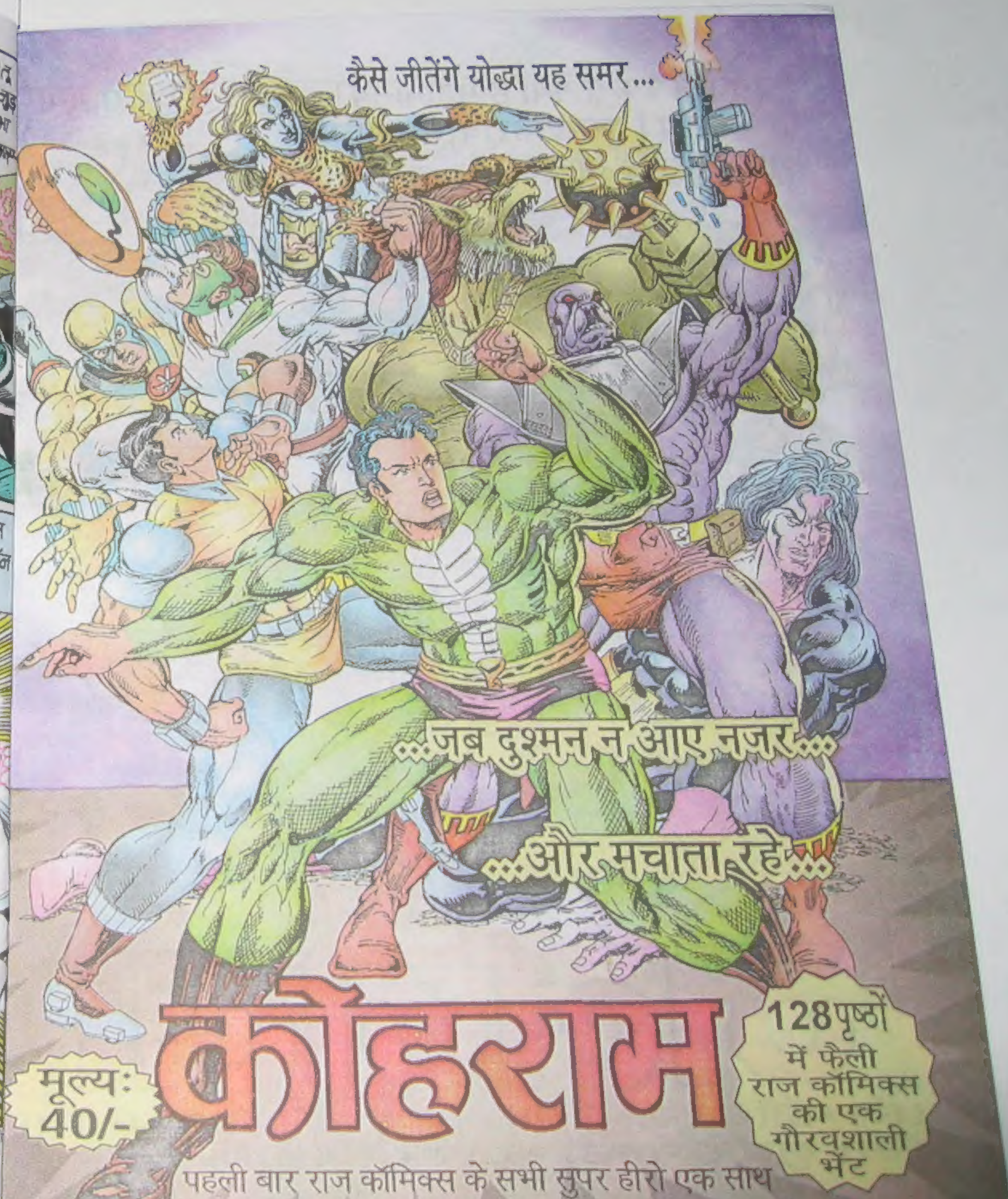
कैसे जीतेंगे योद्धा यह समर...
...जब दुश्मन न आए नजर...
...और मचाता रहे...
कोहराम
मूल्यः 40/-
128 पृष्ठों में फैली राज कॉमिक्स की एक गौरवशाली भेंट
पहली बार राज कॉमिक्स के सभी सुपर हीरो एक साथ

मानव से टकरा गया है महामानव! वर्तमान से टकरा गया है भविष्य! इस टकराव से कांपेगा भूमंडल और आएगा...
मूल्यः 40/-
पृष्ठ संख्याः 12
जलजला
राज कॉमिक्स में एक नया इतिहास बनाता हुआ सुपर मल्टी स्टार विशेषांक

सुपर्ब, ध्रुव! बहुत खूब. तुम्हारे जैसा दिमाग मेरे पास होता तो हर चीज को ही इलेक्ट्रॉनिक का बना देता!
तब तो भगवान का शुक्र है कि तुम्हारे पास वैसा दिमाग नहीं है! खैर, अब पुलिस के आने तक यहीं इंतजार करना पड़ेगा! इनको छोड़कर नहीं जाया जा सकता! पर तब तक हम करेंगे क्या?
आज की ट्रिप तो बेकार हो गई.
और कल हमको वापस जाना है!
नहीं, नहीं! ट्रिप बेकार क्यों होगी? ट्रिप बेकार करवा देंगी तो मेरी फीस मारी जाएगी! आइए, तब तक मैं आपको राजनगर के दौरी वंश का इतिहास सुनाती हूं!
ओ, श्वेता! तुम गायब तो चंडिका हाजिर, और अब चंडिका गायब तो तुम हाजिर!
तुम हमारी गाइड को जानते हो?
हां!
ये मेरी बहन है!
श्वेता!
पुत्र था, जो जंगल में शिकार खेलते वक्त लापता हो गया था.
फिर भी यकीन था कि उसका बेटा जिन्दा है.
इसलिए मरने से पहले उसने अपने खजाने को एक गुप्त तहखाने में रखवा दिया, और यह आदेश दिया कि उसके मरने के बाद उसके शव को रसायनों द्वारा संरक्षित करके इसी तहखाने में रखवा दिया जाए.
ओ. इसका मतलब 'शव संरक्षण' यानी ममी बनाने की कला, सिर्फ मिस्र वालों के ही नहीं, भारतवालों के पास भी थी.

मौत बहुत भयानक होगी ! बस खत्म !
कहानी खत्म !
आई वांट टू सी इन इंडियन ममी !
टेन परसेंट : ओ माई गॉड ! ओ माई गॉड ! इतना सारा पैसा ! ओ. के. ध्रुव, डन ! आज रात को बैठकर मैं यंत्र बनाऊंगा, और कल से खोज चालू कर देते हैं !
पर यह बात ध्यान रखना विक्रम ! कि 'ममी' सचमुच उठ खड़ी हो, और उसका कहर सबसे पहले तुम पर ही टूटे
खतरा होता था !
फोन करता हूं ! सी यू टुमारो .
तू उससे डर क्यों रही थी ?

उसकी 'कार्बन डेटिंग'
श्वेता बात तो मजाक में कह रही थी-

ऊऊऽऽऽ! आऽऽऽ! य...
मैं मरा नहीं हूं! मैं मर नहीं सकता, जब तक मेरा खजाना सही हाथों में नहीं पहुंच जाता, तब तक मैं खत्म नहीं हो सकता.
कहां है मेरा खजाना? यह सच नहीं हो सकता! यह जरूर कोई जादू है! बता, क्या है यह सब?
और तुम्हारा खजाना उसी तहखाने में सुरक्षित रखा है, जिसमें तुमको दफन किया... मेरा मतलब सुलाया गया था.
ठीक है! पर याद रखना! अगर तुम्हारी सूचना गलत हुई तो राजबल दैत्य तुमको तड़पा-तड़पाकर खत्म करेगा, ऐसे.

'इंफार्मर नेट'; क्या... तुम्हारा मतलब उन लोगों से है, जो अपराध में हमारी मदद करना चाहते हैं और जिनको हमने 'इंफार्मर' के काम पर लगाया है।
हां, हां! मैं उनकी ही बात कर रहा हूं! ...
...और जिनकी ट्रेनिंग पूरी हो चुकी है, उनको हमने एक एक यूनीफार्म और बैज दे दिए हैं. वे सभी शहर के अलग-अलग हिस्सों में रहते हैं. इसीलिए वे अपने-अपने घरों में रहते हुए भी वहां आसपास होने वाले किसी भी अपराध की सूचना हम तक पहुंचा सकते हैं.
मुझे लगता है कि उनको
किसी का फोन आ रहा है.

लिया बताना जरा मुश्किल है सर! उसने अपने पूरे बदन पर पट्टियां बांध रखी हैं, जैसे अस्पताल में मरीजों को बांधते हैं... और...
...और उसने सिर पर राजा जैसी पगड़ी बांध रखी है! और...
पुरातत्व विभाग की लैब का नंबर मिलाओ अर्जेंट!
'ओ० के जूनियर कमांडो, 292! बाद में बात करेंगे! ओवर.
ओफ! बीच में ही लाइन काट दी! अब मैं क्या करूं.
नहीं, मैं खुद इसको रोकूंगी. एक कमांडो के लिए कुछ भी असंभव नहीं होता. यही हमको सिखाया गया है!
जूनियर कमांडो 292 स्थिति की गंभीरता को समझ नहीं पा रही थी-
बता, किधर है इंपीरियल होटल! बता!
उ... उधर! कहो तो मैं लिफ्ट दे दूं!
बस, मेरी जान बख्श दो!
आऽऽऽह! जल
ठया हूं!

जादूनगरी नहीं, जेल नगरी बोल! चुपचाप आत्मसमर्पण कर दे, वर्ना परलोक नगरी पहुंचा दिया जाएगा!
वाह! 'रैपिड स्कवाड्रन फोर्स' आ गई है! अब मुझे बीच में पड़ने की जरूरत नहीं पड़ेगी! थैंक गॉड!
कैडेट 292 यह नहीं समझ रही थी... यह मामूली दंगा-फसाद करने वाला था–
उसकी आंखों से किरणें निकलकर पानी की धार से टकराईं–
और सारा पानी स्काल्क भाप में बदल गया–
पाइप के अन्दर का पानी–
सारा पानी स्काल्क भाप में बदल गया और इस भाप ने पाइप के साथ-साथ हाइड्रेन्ट के भी परखच्चे उड़ा दिए–

ये तो बहुत खतरनाक है! इस पर रबर बुलेटों का इस्तेमाल करना, पैसे और समय दोनों की बर्बादी है! इस पर असली गोलियों का इस्तेमाल करो! शूट टू किल!
असली गोलियां, राजबल दौरी की ममी की तरफ लपक पड़ीं–
लेकिन–
यह कैसा हथियार है जो धमाके के साथ छोटे-छोटे कंकड़ फेंकता है! हमारे जमाने में तो पत्थर फेंके जाते थे...
इन मूर्खों ने खामख्वाह ही बीच में व्यवधान पैदा कर दिया!... अब अपने मुख्य दुश्मन से निपटा जाए! विक्रम से!
सबसे पहले पट्टियां खोल दूं! ताकि इसकी शक्ल देख सके!
पट्टियों से हाथ का स्पर्श होते ही–

...तुझको तो ऐसा दंड मिलना चाहिए, जिसे देखकर पूरी प्रजा सिहर उठे! राजा पर हमला करके राजद्रोह का अपराध किया है तूने!
केडेट 292 की सिट्टी-पिट्टी गुम थी! वह हिलने तक की हिम्मत नहीं जुटा पा रही थी-
ओफ, अब बच्चे भी मुझ पर झपट रहे हैं, यानी किसी को राजा का खौफ ही नहीं रहा?...
भगवानजी, मेरे पापों को क्षमा कर देना और मेरे कैप्टेन को मत बताना कि मैं फेल हो गई! हाय भगवान जी!
तू फेल नहीं हुई केडेट 292...
अब तू कहां से आ गया?

फटाफट जवाब दो!
और शुरुआत अपने चेहरे की पट्टियां हटाकर करो! ताकि मैं तुम्हारा चेहरा देख सकूं!...
आऊ ऽऽऽ
तू मेरी बेइज्जती कर रहा है लड़के! माना मेरा राज्य खत्म हो गया है, दुनिया बदल गई है, पर मैं नहीं बदला हूं! मैं राजा गजबल हूं! और मेरा अपमान करने वाला जिन्दा नहीं बचता!
इसकी आंखों से तो ऊष्मा किरणें निकलती हैं! जो भारी विनाश फैला सकती हैं!
हा हा हा! तू मेरी ही किरण से मुझे घायल करेगा? कर सकता है, पर तब, जब ये किरण मुझे लगे! मैं इसे अपने शरीर से ही टकराने नहीं दूंगा!
लेकिन जब मेरी 'ऊष्मा-किरण' तुझसे टकराएंगी, तो तेरी शारीरिक संरचना जरूर बिगड़ जाएगी!

मुझे इसके इसी वार का इंतजार था! मैं इसकी इस 'ऊष्मा किरण' को अपने 'मेटल-ब्रेसलेट' द्वारा ऐसे कोण पर परावर्तित करूंगा...
... कि यह किरण जमीन में धंसे मेरे चमकदार 'स्टार ब्लेड' से टकराए। और एक 'स्टार ब्लेड' से टकराकर दूसरे 'स्टार ब्लेड' की तरफ परावर्तित हो जाए जो इस ऊष्मा किरण को वापस...
...इसी 'मम्मी' की तरफ मोड़ देगा! और यह नाटकबाज इस वार से बच भी नहीं पाएगा! क्योंकि इस बार किरण इसके सामने से नहीं, पीछे से आ रही है!
ध्रुव ने के क फायदा उठाकर 'मम्मी' को दबोचने के लिए आगे लपका, लेकिन उसे बीच हवा में ही रुक जाना पड़ा—
ओह! चोट के बाद भी इसकी में कोई कमी नहीं है!

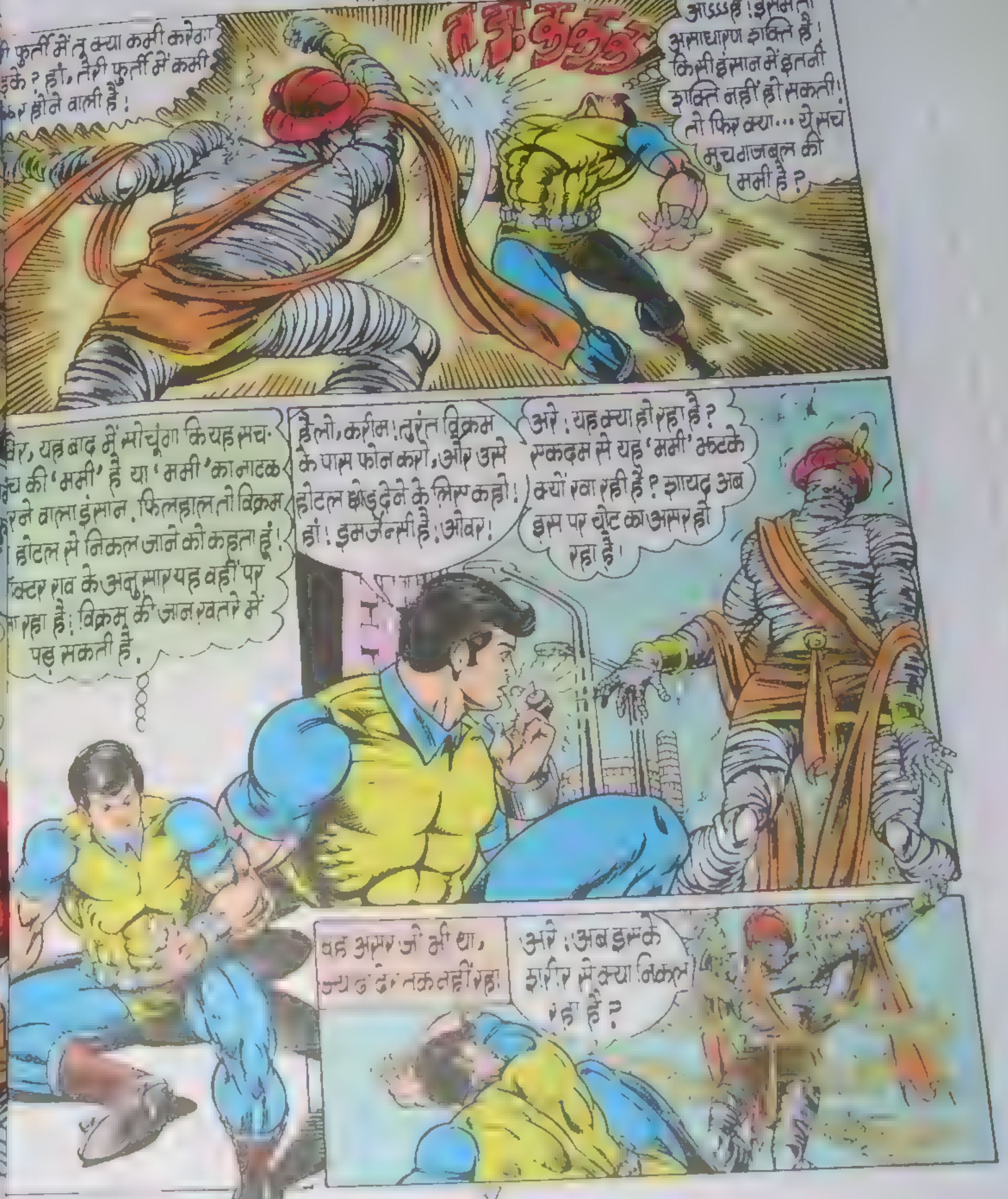

फुर्ती में तू क्या कमी करेगा के? हां, तेरी फुर्ती में कमी होने वाली है!
आऽऽऽह! इसमें तो असाधारण शक्ति है! किसी इंसान में इतनी शक्ति नहीं हो सकती! तो फिर क्या... ये सच मुच गजबल की मम्मी है?
र, यह बाद में सोचूंगा कि यह सच की 'मम्मी' है या 'मम्मी' का नाटक रने वाला इंसान, फिलहाल तो विक्रम होटल से निकल जाने को कहता हूं! क्टर राव के अनुसार यह वहीं पर रहा है! विक्रम की जान खतरे में पड़ सकती है.
हैलो, करीम! तुरंत विक्रम के पास फोन करो, और उसे होटल छोड़ देने के लिए कहो! हां! इमर्जेन्सी है! ओवर!
अरे! यह क्या हो रहा है? एकदम से यह 'मम्मी' झटके क्यों खा रही है? शायद अब इस पर चोट का असर हो रहा है!
अरे! अब इसके शरीर से क्या निकल रहा है?

यह तो धूल है! ओफ़! खौं खौं खौं! ममी की पट्टियों पर जमी सदियों पुरानी धूल!...और इस धूल के साथ-साथ वे केमिकल भी वातावरण में उड़ रहे हैं, जो शायद 'ममी' को सुरक्षित रखने के लिए पट्टियों पर लगाए जाते हैं! इनकी वजह से... खौं खौं... मेरी आंखों में जलन हो रही है!... मैं न तो आंखें खुली रख पा रहा हूं, और न ही खौं खौं... सांस ले पा रहा हूं!... 'नोज़-फिल्टर' का इस्तेमाल करना पड़ेगा!
ध्रुव ने अपनी बेल्ट के एक खाने से 'नोज़ फिल्टर' निकालकर...

...अपनी नाक पर लगा लिया-
आऽऽऽह! अब कुछ चैन पड़ा! लेकिन आंखों का क्या करूं? इनको तो मैं अभी भी खोल नहीं पा रहा हूं!
अब तेरी आंखें कभी नहीं खुलेंगी लड़के! क्योंकि मैं इनको हमेशा के लिए बंद करने जा रहा हूं!
लेकिन इससे पहले कि वह 'ऊष्मावार' उसके शरीर में खिड़की खोल पाता-
कोई अप्रत्याशित रूप से ध्रुव की मदद करने आ गया-
आऽऽऽह! तुम कौन हो?
सवाल तो पूछा जरूर गया था, पर जवाब ध्रुव को नहीं मिला-
ध्रुव कुछ भी देख नहीं पा रहा था! इसीलिए वह इस 'ऊष्मावार' से बचने के लिए कुछ नहीं कर सकता था-
उस रहस्यमय व्यक्ति ने ध्रुव की आंखों पर एक फूंक सी मारी, और-
कमाल है! मेरी आंखों की जलन खत्म हो गई! पर कैसे? क्या किया तुमने?
ध्रुव को फिर कोई जवाब नहीं मिला-

और वह आकृति, लंबे-लंबे डग भरती हुई, ध्रुव की आंखों से ओझल हो गई-
लेकिन ध्रुव को और सोचने का वक्त नहीं मिला-
तू मेरे हर वार से न जाने कैसे बचता जा रहा है। अपनी ही धूल के कारण मैं खुद नहीं देख पाया कि इस बार तू कैसे बचा? पर इस बार तू नहीं बचेगा। मेरी 'काल ध्वनि' तेरे शरीर की भी धूल चट देगी!
वह पब्लिक ट्रांसपोर्ट की बस। वह हमारी मदद कर सकती है। पास पार्क से एक पाइप ढूंढो! पार्कों में पानी देने के लिए एक लंबा पाइप जरूर रहता है!
मैं समझ गई तुम्हारी योजना
गजबल की 'ममी' चीखती जा रही थी। और ध्रुव का शरीर कांपता जा रहा था-
ओह। इसके... फेफड़ों में... कितनी सांस भरी है!... ये तो नॉन स्टॉप... चीखता जा रहा है!...
...आहा!...ये... ये...पाइप...आ गया!...
आऽऽह। यह बहुत 'हाई फ्रीक्वेंसी' की ध्वनि तरंगें छोड़ रहा है। और इस वार से बचने का मेरे पास कोई उपाय नहीं है! क्योंकि इस वार से न तो उछल-कूदकर बचा जा सकता है और न ही कान, आंख या नाक बंद करके! मैं इस ध्वनि को सुन तो नहीं सकता, पर इनको हथौड़ों की तरह अपने शरीर से टकराते हुए महसूस जरूर कर सकता हूं!
ध्रुव को एक बार फिर जरा सी मदद की जरूरत थी-
कहीं घरघराहट की एक आवाज हुई-
और पाइप से गाढ़ा धुआं निकलने लगा-
और ध्रुव ने पाइप का सही इस्तेमाल करने में एक पल भी नहीं गंवाया-
चंडिका ने बस के 'एक्जास्ट पाइप' से इस 'हौज पाइप' को जोड़कर बस को स्टार्ट कर दिया है और हर पब्लिक बस की तरह इस बस से भी तेज डीजल का धुआं निकलता है। यह इसकी आवाज जरूर बंद कर देगा!
और वह मदद उसे मिल गई-
और इससे पहले कि 'ममी' संभल पाती-
उसके पैर जमीन से उखड़ गए-
मैं रहस्यमय तो नहीं हूं...
RAJ NAGAR

और बस उसके ऊपर से गुजरती चली गई-
ओफ, तुमने यह क्या किया चंडिका? मुझे पूरा यकीन है कि यह कोई 'ममी' नहीं, जिन्दा इन्सान है, कहीं यह मर न जाए!
घबराओ मत ध्रुव! अगर यह इन्सान भी है, तो भी यह नहीं मरेगा क्योंकि बस इसके पैरों के ऊपर से निकली है।
लेकिन बस भी उस रहस्यमय 'ममी' को नुकसान नहीं पहुंचा पाई थी-
अरे, ये... यह क्या? यह तो खड़ा हो रहा है! यानी इसके पैरों को कुछ भी नहीं हुआ।

अगर यह जिन्दा इन्सान है तो यह कौन हो सकता है? किसका फायदा है 'ममी' बनकर आतंक फैलाने में?
पता नहीं, चंडिका! यही तो हमको पता करना...
ध्रुव, मैं आ गया, ध्रुव! घबराओ मत!
विक्रम! तुम यहां पर क्यों आ गए?
यह मुसीबत, मेरी लाई हुई है ध्रुव! और मैं ही इसे दूर करूंगा! मिस्टर करीम से इस झगड़े की न्यूज मिलते ही मैं अपराधी सा महसूस करने लगा था!
यह वो 'ममी' नहीं है विक्रम, 'ममी' का रूप धरे कोई जिन्दा इन्सान है।
गायब होती 'ममी' एकाएक थम गई! उसके शरीर से धुआं निकलना बन्द हो गया-
'ममी' एक झटके से आगे बढ़ी, और विक्रम की शर्ट के चीथड़े उसके हाथ में आ गए-
विक्रम, बचो!

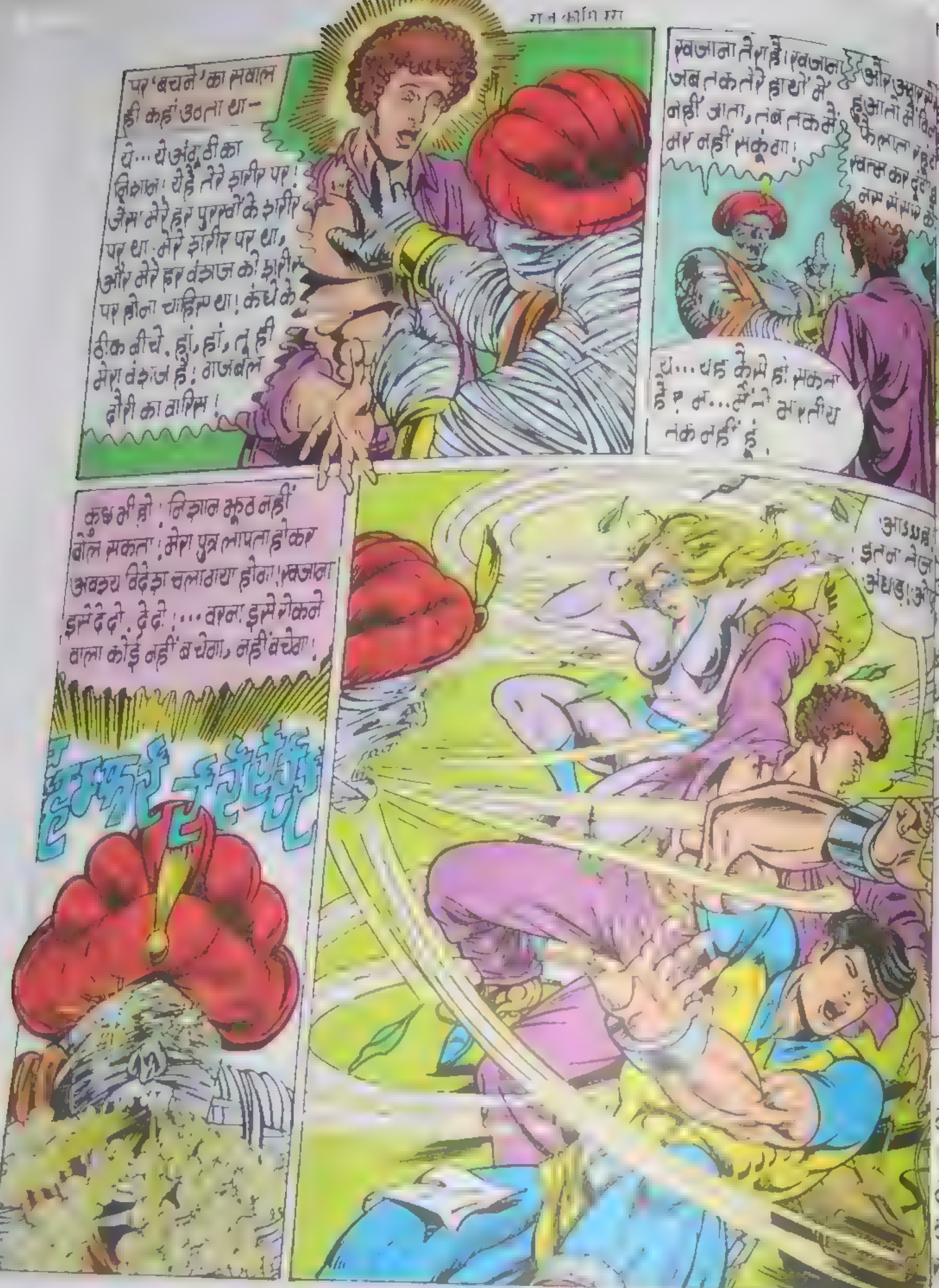
पर 'बचने' का सवाल ही कहां उठता था—
ये... ये अंगूठी का निशान! ये है तेरे शरीर पर! जैसा मेरे हर पुरखों के शरीर पर था, मेरे शरीर पर था, और मेरे हर वंशज के शरीर पर होना चाहिए था! कंधे के ठीक नीचे. हां, हां, तू ही मेरा वंशज है! गजबल दौरी का वारिस!
खजाना तेरा है! खजाना जब तक तेरे हाथों में नहीं जाता, तब तक मैं मर नहीं सकूंगा!
य... यह कैसे हो सकता है? म... मैं तो भारतीय तक नहीं हूं.
कुछ भी हो! निशान झूठ नहीं बोल सकता! मेरा पुत्र लापता होकर अवश्य विदेश चला गया होगा! खजाना इसे दे दो. दे दो!... वरना इसे रोकने वाला कोई नहीं बचेगा, नहीं बचेगा!

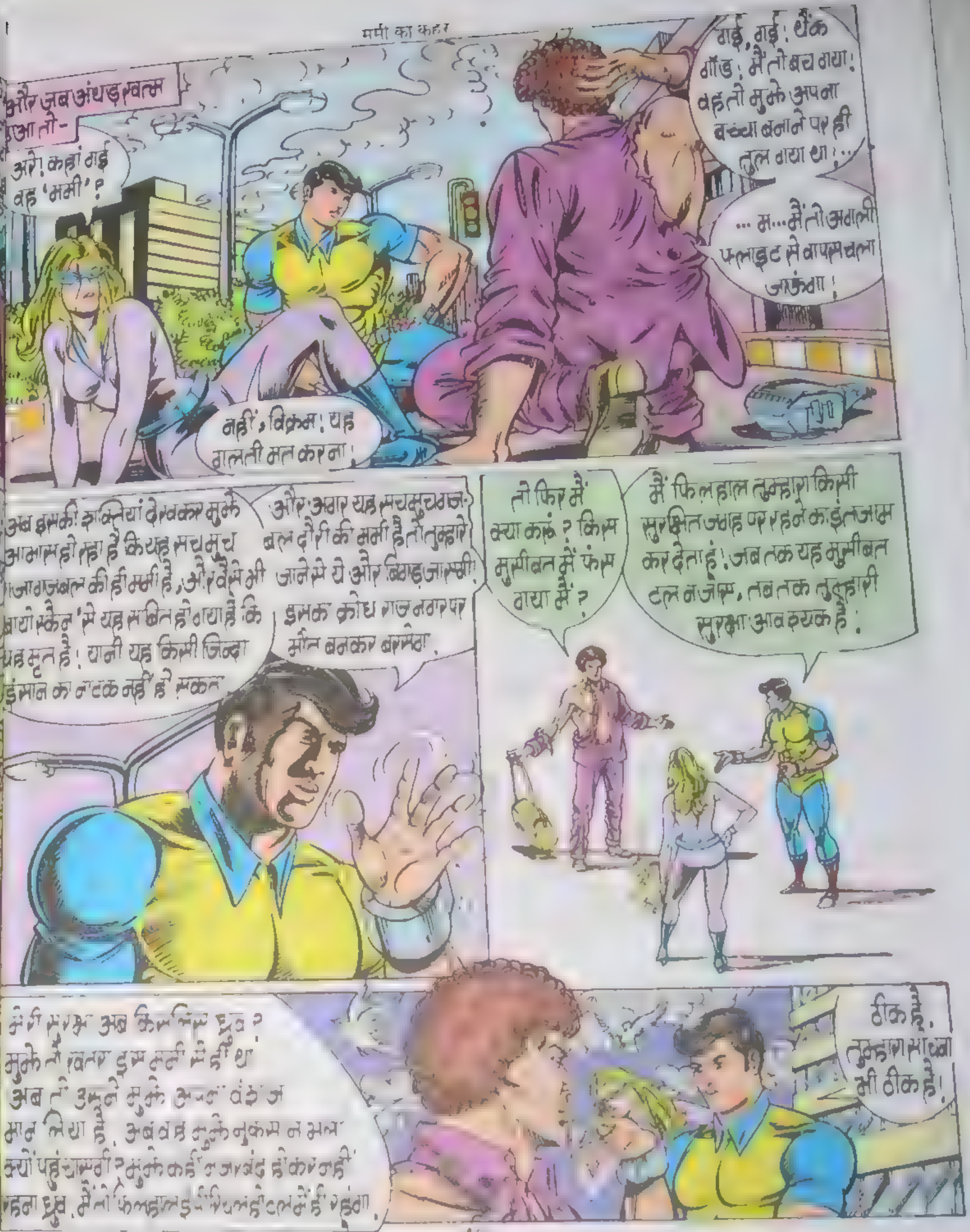
और जब अंधड़ खत्म हुआ तो—
अरे! कहां गई वह 'ममी'?
गॉड, गॉड! थैंक गॉड! मैं तो बच गया! वह तो मुझे अपना बच्चा बनाने पर ही तुल गया था!...
... म... मैं तो अगली फ्लाइट से वापस चला जाऊंगा!
नहीं, विक्रम! यह गलती मत करना!
अब इसकी शक्तियां देखकर मुझे आभास हो रहा है कि यह सचमुच राजा गजबल की ही ममी है, और वैसे भी 'बायो स्कैन' से यह साबित हो गया है कि यह मृत है! यानी यह किसी जिन्दा इंसान का नाटक नहीं हो सकता.
और अगर यह सचमुच गजबल दौरी की ममी है तो तुम्हारे जाने से ये और बिगड़ जाएगी! इसका क्रोध राजनगर पर मौत बनकर बरसेगा.
तो फिर मैं क्या करूं? किस मुसीबत में फंस गया मैं?
मैं फिलहाल तुम्हारा किसी सुरक्षित जगह पर रहने का इंतजाम कर देता हूं! जब तक यह मुसीबत टल न जाए, तब तक तुम्हारी सुरक्षा आवश्यक है!
ठीक है. तुम्हारा सोचना भी ठीक है!

और फिर पुलिस हेडक्वार्टर में—
हमने पूरे शहर की नाकाबन्दी कर दी है ध्रुव, हर चौराहे पर पुलिस की गश्त हो रही है! और खजाने वाले तहखाने पर ब्लैक कैट कमांडो की पूरी यूनिट तैयार है. देखते हैं कि वह 'ममी' कितनी देर तक छिपी रहती है!
सर! सर! गजब हो गया!
'ममी' नहीं सर, डबल मर्डर हो गया है.
सिचुएशन सीरियस हो रही है, सर!
और जहां तक मैं समझ पाया हूं, वह भी किसी न किसी प्रकार से खजाने से संबंधित है! वह 'ममी' के खिलाफ है! क्योंकि उसने मुझे 'ममी' के हमले से तब बचाया था, जब मैं बचाव करने की स्थिति में नहीं था!
ओ! लेकिन ये आदमी हो कौन सकता है?
यह तो कहना मुश्किल है पापा कि वह है कौन, और उसका मकसद क्या है? पर इतना मैं अवश्य जानता हूं कि जहां पर वह ममी मिलेगी, वहीं पर वह रहस्यमय आदमी भी जरूर मिलेगा!
यह तो एक समस्या हुई: दूसरी समस्या वह खजाना है!
ओफ, बहुत सारे सवाल उठ खड़े हो रहे हैं: और इन सबका जवाब 'ममी' के मिलने पर ही मिल सकता है. पर ममी है कहां पर?
वह 'ममी' मुझे किसी की याद दिला रही थी! उसका चलना, उसके इशारे उसके बोलने का ढंग सब कुछ जाना पहचाना लग रहा था! मैं कोई बात नजरअंदाज कर रहा हूं, पापा. अगर वह बात मुझे याद आ जाए तो... ओह! ओ माई गॉड!
क्या हुआ ध्रुव? तुमको क्या याद आया?
शायद मैं ममी को ढूंढ सकता हूं पापा.... ...और अगर मैं सही सोच रहा हूं!

...तो 'ममी' को ढूंढने के लिए मुझे किसी की मदद लेनी होगी.
मदद? किससे मदद लेते हो?
एक ऐसे इन्सान से, जिससे मैं मदद लेना नहीं चाहता.
और उससे तुम्हारी जान को खतरा हो सकता है.
ओ माई गॉड, मैं तो फंसता ही जा रहा हूं. मेरी मत मारी गई थी, जो मैंने खजाने को ढूंढने का बीड़ा उठा लिया. पर यह आदमी है कौन?
वह वहीं जाएगा, जहां 'ममी' जाएगी, और 'ममी' वहीं जाएगी, जहां तुम रहोगे.
और फिर- इंपीरियल होटल की लॉबी में-
तुमने मुझे यहां पर मिलने को क्यों बुलाया, ध्रुव? हम कमरे में भी तो बात कर सकते थे
मैंने शायद तुमको बताया नहीं कि एक और शख्स इस खजाने के पीछे पड़ा हुआ है.

बस, मुझे पता है! इसे तुम आत्मविश्वास कह लो, या 'सिक्स्थ-सेंस'... पर...
विक्रम!
चेतावनी मिलने से पहले ही विक्रम, हवा में उड़ चुका था-
'ममी' सचमुच विक्रम के पीछे पड़ गई थी-
आऽऽऽह!
य... यह क्या हो रहा है? यह तो असंभव है. ऐसा हो ही नहीं सकता! 'ममी' भला मुझ पर हमला क्यों करेगी? कुछ गड़बड़ है! ब... मुझे बचाओ, ध्रुव, वर्ना यह तो मुझे पीट-पीट कर मार डालेगा!

अब सुई विक्रम, यह तो तुम्हारे 'घर' की बात है! अब पूर्वज, वंशज के झगड़े के बीच में मैं क्यों पड़ूं? तुमने जरूर कुछ बदमाशी की होगी, जो तुम्हारे सुपर लकड़दादा तुमको पीट रहे हैं: तुम लोग तो लड़-भिड़कर फिर एक हो जाओगे, और मैं बुरा बन जाऊंगा...
...यह क्या कह रहे हो ध्रुव? तुम मेरी खबर नहीं कोरोगे पर क्यों? अरे, यह मेरा दादा-बड़ा नहीं है: यह तो... यह तो...
तुम्हारे कहने से ऐसा लग रहा है, जैसे कि तुम जानते हो कि यह कौन है? कौन है यह?
यह... यह... यह...
हां, हां, बोलो, ए पिटे

य... यह एक लाश है, ध्रुव जिसको मैंने पास के एक कब्रिस्तान में खोदकर निकाला है! और इसमें हाथ-पैर चलाने वाले रोबोटिक इलेक्ट्रॉनिक यंत्र, कैमरे और माइक्रोफोन फिट कर दिए हैं. इसके कंट्रोल को मैं अपने शरीर पर फिट करके चलाता था! अब ये अपने-आप कैसे चलने लगा?
अभी पता चल जाता है! श्वेता, अब सामने आ जाओ और विक्रम की पिटाई करना बन्द करो!
श्वेता?
यस्ऽऽ मि विक्रम जीनियस: मैं भी थोड़ी बहुत इलेक्ट्रॉनिक्स जानती हूं.
अब 'थैंक्यू' बोलो भइया!
तू शुरू हो गई? इसीलिए मैं तेरी मदद नहीं लेना चाहता था. पर क्या करता? मेरी जान-पहचान में तुमसे ज्यादा इलेक्ट्रॉनिक्स कोई नहीं जानता है: अब तू जिन्दगी भर इस छोटी सी मदद का एहसान जताती रहेगी.
यानी... यानी तुम लोग सब-कुछ पहले ही जान गए थे? फिर इस नाटक और मेरी पिटाई की क्या जरूरत थी?

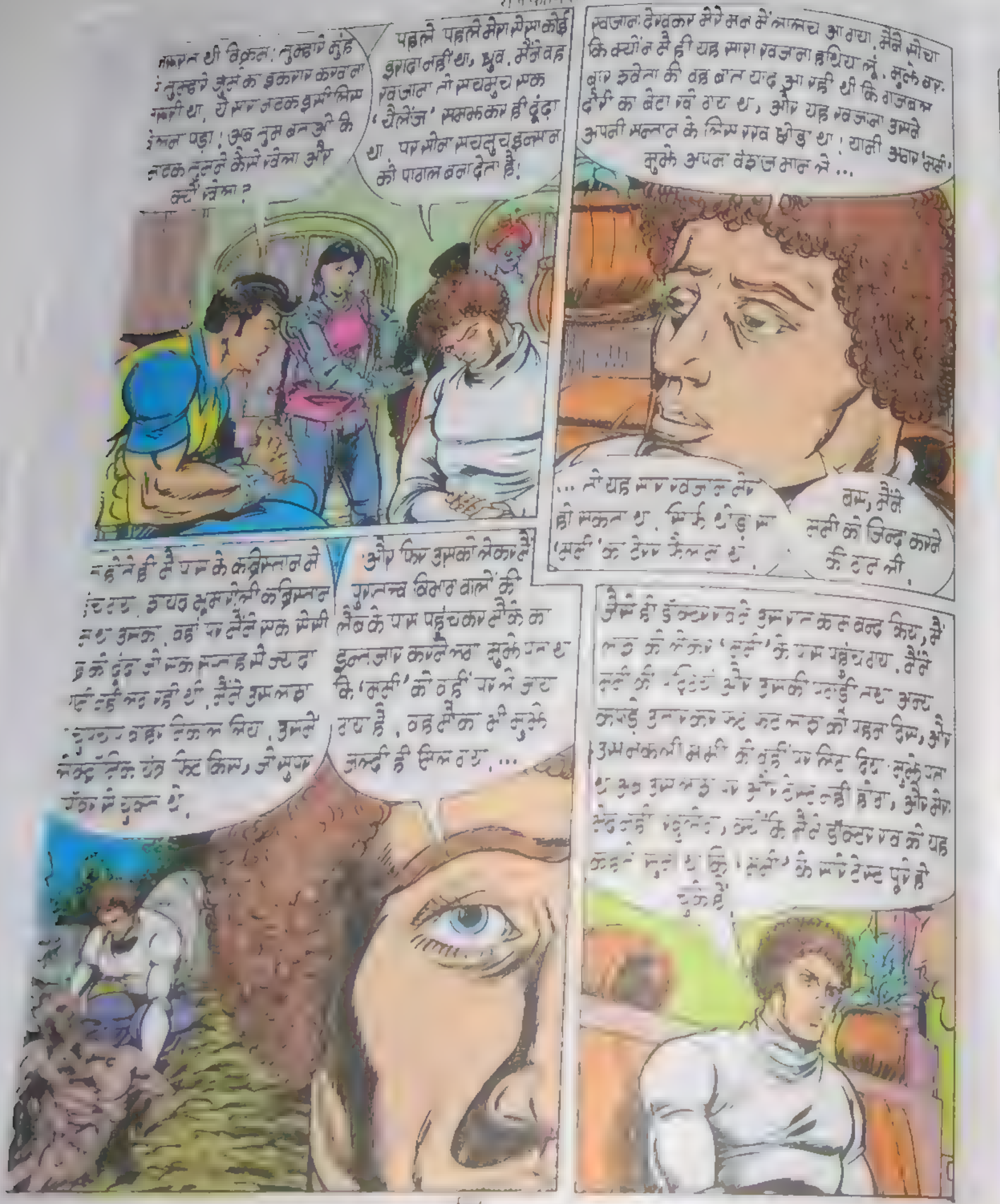
पहले पहले मेरा ऐसा कोई इरादा नहीं था, ध्रुव. मैंने वह खजाना तो सचमुच एक 'चैलेंज' समझकर ही ढूंढा था. पर मोल सचमुच इन्सान को पागल बना देता है!
मुझे अपना वंशज मान ले...
नल्ली को जिन्दा करने की ठान ली.

ऐसा ही हुआ.
और मेरी बनाई 'ममी' उठ खड़ी हुई. अब उसका पहला काम था शहर में आतंक फैलाना, ताकि उस आतंक को रोकने के लिए शहर वाले सारा खजाना, उस शख्स के हवाले कर दें, जिसे 'ममी' अपना वारिस बताए. और यह काम मेरी 'ममी' के लिए काफी आसान था.
क्योंकि ममी के शरीर में मैंने वीडियो कैमरे, माइक्रोफोन और रिमोट कंट्रोल डिवाइस के साथ-साथ ऐसे हाइड्रोलिक पॉवर युक्त सिस्टम फिट किए थे जो उसके हाथों और पैरों को अमानवीय शक्ति प्रदान करते थे और उस सिस्टम को मैं उसी गैजेट से चला रहा था, जिसे अभी श्वेता पहने हुए थी.
और ममी की मशीनी आवाज में मैं ही बोल रहा था. मेरा टेरर फैलाने वाला प्लान तो सफल रहा. पर मुझे डर था कि कहीं मुझ पर शक न किया जाए. इसीलिए मैं खुद ममी के पास पहुंच गया. और उस दौरान ममी के जो मूवमेंट थे, उन्हें मैंने ऑटो सिस्टम में डालकर चलाया था. क्योंकि मुझे पता था कि मैं क्या बात करूंगा और ममी क्या जवाब देगी!
एक मिनट विक्रम, एक बात बताओ, जब यह 'ममी' सचमुच एक लाश थी, तो उस पर बम के धुंए का असर क्यों हुआ?
और उससे संबंधित कहानी भी गढ़ ली थी. पर तुमने मुझे पकड़ कैसे लिया?
सबसे बड़ा कारण तो यह था कि उस 'ममी' की चाल ढाल मुझे किसी की याद दिला रही थी और जैसे ही मुझे याद आया कि उसकी चाल ढाल तुमसे मिलती है तो मुझे बाकी बातें भी याद आनी शुरू हो गईं.
जैसे ए.सी.पी. डिमेलो का यह बताना कि कब्र से एक लाश खोदी गई है, और 'ममी' के पास से, मेरे ट्रांसमीटर पर कॉल्स द्वारा बात करने के दौरान 'ममी' का लड़खड़ाना...

ट्रांसमीटर पर बात करने और 'ममी' के लड़खड़ाने में सिर्फ एक ही संबंध हो सकता था! और वह ये कि ट्रांसमीटर की रेडियो तरंगें 'ममी' पर असर डाल रही हैं! और वह असर सिर्फ तभी हो सकता था जब 'ममी' में इलेक्ट्रॉनिक यंत्र मौजूद हों! क्योंकि रेडियो तरंगें सिर्फ इलेक्ट्रॉनिक यंत्रों के कार्य कलापों में ही गड़बड़ पैदा करती हैं!...
... और फिर कब्रिस्तान से लाश के गायब होने की बात! राजनगर में इस किस्म का यह पहला हादसा था! इन तीनों बातों को मिलाकर मैं समझ गया कि यह 'ममी' वास्तव में क्या है! बस, मैंने तुमको होटल की लॉबी में बुला लिया!
और पीछे से श्वेता ने तुम्हारे कमरे की तलाशी लेकर तुम्हारा राज जान लिया! साफ है कि तुम्हारा 'ममी' को चलाने वाला यंत्र भी कमरे में ही था, और 'ममी' भी! अधो की कहानी तो जानने के साथ-साथ तुमने सुनाती भी है! पर यह तो बताओ कि तुमने असली ममी को कहां पर छिपाया है?
एक किराए पर ली गई कार की डिक्की में! जिसको मैंने होटल की बेसमेंट पार्किंग में ही खड़ा किया हुआ है!
ओ! अब बस सिर्फ एक आखिरी सवाल का जवाब दे दो! वह रहस्यमय आदमी कौन था, जिसने मुझे तुम्हारी 'नकली ममी' के हमले से बचाया था?
कैसा रहस्यमय आदमी? मैं ऐसे किसी आदमी को नहीं जानता! और ममी को तो मैं ही चला रहा था! मैं तुमको नुकसान थोड़ी न पहुंचाता!
तो फिर... वह लबादाधारी था कौन?
वह मैं था...
दरअसल मेरे लिए 'ममी' की सच्चाई का पता लगाना बहुत जरूरी था! इसीलिए मैं ममी के पीछे लगा हुआ था! और तभी मुझे एहसास हुआ कि 'ममी' की सच्चाई सिर्फ तुम पता कर सकते हो! इसीलिए मैंने तुम्हारी जान बचाई!
वैसे भी इस दुनिया में बिना मदद लिए तो सत्य का पता लगाना असंभव था!
इस दुनिया में? समझ में नहीं आया! पर तुम्हारे लिए 'ममी' की सच्चाई पता करना जरूरी क्यों था?
तुमको कैसे पता था कि ममी की कोई 'सच्चाई' है? यह असली नहीं है!

क्योंकि असली 'ममी' मैं हूं! मैं हूं राजा गाजबल दौरी! और इस नाटक को खेलने के अपराध में मैं तुमको मृत्युदंड देता हूं, लड़के!
यह क्या ध्रुव? य... यह कोई नया नाटक है क्या?
वैसे, यह है तो वही वाली ममी, जिसे मैं डिक्की में रखकर आया था!
नहीं विक्रम! मुझे नहीं लगता कि यह कोई नाटक है! असंभव है, पर सच तो यह है...

...कि यह राजबल दौरी की ही 'ममी' है! इसके शरीर से वैसी ही गंध आ रही है, जैसी उस खजाने वाले तहखाने में भरी हुई थी! सबक की नकल करना असंभव नहीं तो मुश्किल अवश्य है!
इसको रोकना होगा! क्योंकि तुमने जो काम किया है, उससे यह अत्यंत क्रोधित हो गया है!
ध्रुव लपका तो था, ममी पर वार करने के लिए-
लेकिन उसके वार का ममी के शरीर से संपर्क नहीं हो पाया-
आऽऽऽह! विद्युत तरंगें! यह 'ममी' काफी शक्तिशाली लगती है!
त... तुम ठीक तो हो न ध्रुव? तुम ठीक रहे तो हम सब ठीक रहेंगे! क्योंकि इसको अगर कोई रोक सकता है तो सिर्फ तुम!
फिलहाल तो मेरी किस्मत अच्छी थी कि करेंट लगाते वक्त मेरा शरीर हवा में ही था! अगर जमीन के संपर्क में रहता तो यह वार मेरे लिए घातक हो सकता था! इसको रोकने का सिर्फ एक ही तरीका समझ में आ रहा है!
इसकी अमानवीय शक्ति का मुकाबला कोई अमानवीय शक्ति ही कर सकती है!
जैसी तुम्हारी नकली 'ममी' की शक्ति!
मैं नहीं!
जिसकी जान दांव पर लगी हो उसे ज्यादा समझाना नहीं पड़ता-
मैं समझ गया ध्रुव! समझ गया!
विक्रम फुर्ती से नकली ममी को कण्ट्रोल करने वाला सिस्टम पहनने लगा-

और दो अमानवीय शक्ति वाले प्राणी या कहिए 'अप्राणी' आपस में टकरा गए-
एक असली शक्ति धारक और दूसरा यांत्रिक शक्ति धारक-
टक्कर तो प्रलयंकारी थी-
पर यह प्रलय ज्यादा देर तक नहीं चली-
धड़ कक
ओह! म...मैंने तो इस लाश में ट्रक तक को उठा सकने वाले हाइड्रोलिक यंत्र फिट किए थे! पर इसने एक ही वार में इसके पुर्जे-पुर्जे कर दिए! अ... अब क्या करें? अरे, तू सचमुच जिन्दा कैसे हो गया राजबल दौरी? जब मैंने उठाया था, तब तो अच्छा-खासा मरा हुआ था...
मैं समझ गया! मेरे साथ आओ विक्रम, हम...
...विक्रम!
आऽऽऽह!
म...मैं चल नहीं सकता ध्रुव!
मुझे छोड़ दो! तुम चले जाओ!
नहीं, विक्रम! तुम्हारा चलना आवश्यक है क्योंकि ये सिर्फ तुम्हारे पीछे ही आएगा!

ध्रुव की चाल सफल होती लग रही थी-
वह 'ममी' सचमुच हमारे पीछे आ रही है, ध्रुव! पर हम जा कहां रहे हैं?
जल्दी ही विक्रम को अपने सवाल का जवाब मिल गया-
राजनगर का 'रत्न महल'! यहां पर हम क्यों आए हैं?... तुम समझते हो कि यह अपना खजाना सुरक्षित देखकर शांत हो जाएगा?
उनका 'टाइम अप' हो गया-
फिलहाल तो मैं भाग रहा हूं, विक्रम!
कुछ पलों तक तुमको अपने-आप ही बचना होगा! क्योंकि अब वक्त बहुत कम है!
ध्रुव! ध्रुव! कहां जा रहे हो?
आऊsss! अब हम क्या करेंगे ध्रुव? अब कहां भागेंगे?
के जवाब दे पाने से पहले ही-

आऊsss! अब मैं समझ गया ध्रुव का प्लान! इसने इस शैतान की समाधि पर मेरी बलि चढ़वाने का प्रोग्राम बनाया है! ताकि यह गजबल शैतान खुश होकर शांत हो जाए!
लंगड़ाता हुआ विक्रम, बचने की भरपूर कोशिश कर रहा था-
पर यह कोशिश उसे ज्यादा देर तक नहीं करनी पड़ी-
खजाने पर तैनात ब्लैक कैट कमांडो उसकी मदद के लिए आ गए थे-
ध्रुव ने हमको सही समय पर भेज दिया! वर्ना यह सचमुच इस लड़के की जान ले लेता!
लेकिन यह मदद भी विक्रम की उम्र सिर्फ कुछ पलों के लिए ही बढ़ा पाई-
ईयाऽऽ
ऊऽऽऽ
अब विक्रम और मौत के बीच में अगर कुछ था-
तो सिर्फ एक पल का फासला-
लेकिन एक पल में तो कई बार दुनिया बदल जाती है-
गजबल! इधर देखो!
अब कौन मरने आ गया?

मरने नहीं, मारने वाला गजवल! देख, मेरे हाथ में तेरी नींद की दवा है। मुझे यह समझ में तो जरा देर से आया, पर आया ठीक समय पर। जब विक्रम ने कहा कि तू जिन्दा कैसे हो गया, तब मैं भी तुम्हारे जिन्दा हो उठने का कारण सोचने पर मजबूर हो गया। और जो कारण मुझे समझ में आया, वह यह था! इस गोले में भरा अद्भुत चमकीला पदार्थ!
तुम्हारे खजाने वाले कक्ष में सिर्फ यही एक चीज ऐसी थी, जिसका मतलब मैं समझ नहीं पाया था!
यह क्या है, यह तो मैं नहीं जानता, पर इतना जरूर समझ गया हूं कि इन्हीं किरणों ने तुम्हारे शरीर में बहते प्राण की गति रोक रखी थी।
क्योंकि इससे दूर होते ही तुम थोड़े समय पश्चात फिर से जी उठे!
और अगर मेरा ख्याल सही है तो यह फिर से तुमको सुला देगा!
आऽऽह! तूने यह क्या किया लड़के? मैं एक बार अपने बंद कक्ष से बाहर निकलकर वायु के संपर्क में आ चुका हूं! अब इन किरणों का असर जीवनदायी नहीं, बल्कि घातक होगा!
मेरा शताब्दियों पुराना शरीर अब उस घातक प्रभाव को झेल नहीं पाएगा!
मेरा शरीर... धूल... धूल हो जाएगा... पर... मैं फिर... आऊंगा! और... जो... मेरे... खजाने को हाथ लगाएगा... उसे बर्बाद कर दूंगा!
'ममी' का शरीर खंड-खंड होकर धूल में बदलने लगा–
और हवा का एक तेज झोंका न जाने कहां से आकर उस धूल को उड़ा ले गया–
आश्चर्यजनक! देख रहा हूं, पर यकीन नहीं हो रहा है!
मुझे तो अपने आप पर यकीन नहीं हो रहा है। मैं इतना गलत काम न जाने कैसे कर गया? पर मुझे सबक मिल चुका है!
अब चलो, ध्रुव। मैं सम्मान के स्थान पर सजा भुगतने को तैयार हूं!

समाप्त.

यकीन कर ले, नागराज! ये सभी मर चुके हैं।
और इनको मारने वाली है हमारी शैतान टोली की सम्मिलित शक्ति! हर हीरो को उसी के खास दुश्मन ने अन्य विलेनों की मदद से नेस्तनाबूद किया है।...
जैसे बाकी विलेनों की मदद से मैं करूंगा तेरा...
विध्वंस
पृष्ठ संख्या 128
मूल्य 40/-
सुपर हीरोज के खून और नागराज के बदले के रंग में डूबा एक मल्टीस्टार सुपर विशेषांक